दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष: 02 ■ अंक: 344

ग्वालियर, बुधवार, 18 दिसम्बर 2019

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

न्यूज ट्रैक

ठंड से यूपी के कई स्कूलों में छुट्टी, कई जगह टाइम बदला, देखें जिलेवार सूची

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते दिनों हुई बारिश और बर्फबारी के चलते पारा गिरता ही जा रहा है। ऐसे में ठंड ने लोगों का जीना मुहाला कर दिया है। बढ़ती ठंड के चलते स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते प्रदेश के सभी जिलों में प्रशासन ने स्कूलों का समय बदलने का फैसला लिया है। कई जिलों में शीतावकाश की घोषणा कर दी गई है। राज्य के बड़े हिस्से में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक अगले 24 घंटों में यूपी में ठंडी हवाएं तेज हो जाएंगी। हवाओं की वजह से यूपी के कई भागों में न्यूनतम तापमान 2-3 डिग्री तक गिर सकता है। उत्तर भारत में मैदानी इलाकों पर भी शीतलहर का प्रकोप शुरू हो गया है। न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट हो रही है। समूचे उत्तर भारत में शीतलहर ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग की मानें तो कड़ाके की सर्दी से हाल फिलहाल में निजात नहीं मिलने वाली है। इसको देखते हुए यूपी के सभी जिलों में स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के समय बदल दिए गए हैं। कई स्कूलों में छुट्टियों की घोषणा कर दी गई है। वाराणसी में नौ बजे से तीन बजे तक और मिर्जापुर में दस से तीन बजे तक स्कूल चलेंगे, आजमगढ़, गाजीपुर और जौनपुर में 19 दिसंबर तक स्कूल बंद कर दिये गए हैं। बलिया में 20 दिसंबर तक स्कूल बंद करने का आदेश दिया गया है।

भाजपा विधायक के उत्पीड़न के विरोध में सत्ता व विपक्ष एकजुट

लखनऊ। विधानसभा में मंगलवार को शून्यकाल में भाजपा के लोनी गाजियाबाद से विधायक नंद किशोर गुर्जर को अपना पक्ष न रखने देने के मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्ष ने संयुक्त रूप से हंगामा किया। सपा सदस्य वेल में आ गए और नारेबाजी करते हुए विधायक की बात सुनने की मांग की। सपा ने विधायक की बात न सुनने पर सदन से वाकआउट कर दिया। इसे देखकर सत्तापक्ष भाजपा के दर्जनों विधायक भी अपनी सीट पर खड़े होकर विधायक का समर्थन करने लगे। शोर-शराबा बढ़ने पर विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी दर्जनों भाजपा विधायक अपनी सीटों पर विरोध स्वरूप जमे रहे।

लोनी विधायक के समर्थन में जुटे विपक्षी सदस्य-मामला लोनी के भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर का था। गुर्जर पुलिस द्वारा उन्हें उत्पीड़ित किए जाने की बात उठाना चाह रहे थे लेकिन संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने उनको ऐसा करने से मना कर दिया। जिससे वह अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं कर सके। उनके दर्द को विपक्षी सदस्यों ने आवाज दी तो सत्तारुढ़ दल के विधायक भी अपने साथी सदस्य के पक्ष में ऐसा मुखर हुए कि सदन को स्थगित करना पड़ा। सपा विधायकों ने इस मुद्दे पर सदन में हंगामा किया और वेल में आकर नारेबाजी की और फिर सदन से वाकआउट किया। इस दौरान सत्ता पक्ष के विधायक भी अपने साथी सदस्य के पक्ष में दिखे। शून्यकाल में पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ गुर्जर बोलने के इच्छुक थे। इसलिए खड़े होकर उन्होंने हथेली में अंगुली का संकेत करते हुए बोलने की अनुमति मांगी। इसके लिए उन्हें सुभासपा के नेता ओम प्रकाश राजभर ने भी प्रोत्साहित किया। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने नाराजगी जताते हुए नंद किशोर गुर्जर को बैठने को कहा। अध्यक्ष ने उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी।

मायावती बोलीं, नए नागरिकता कानून को वापस ले केंद्र सरकार

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि नए नागरिकता कानून में मुस्लिम समाज की पूरी तरह उपेक्षा की गयी है और केन्द्र सरकार को इसे वापस लेना चाहिए। उन्होंने यहां जारी एक बयान में कहा, नागरिकता संशोधन कानून के पास हो जाने के बाद से ही देशभर में हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसा प्राय- तभी होता है जब सरकार अपने स्वार्थ में, देश के संविधान को भी ताक पर रखकर किसी खास समुदाय और धर्म के लोगों की उपेक्षा करती है। नए नागरिकता कानून में मुस्लिम समाज की पूरे तरह उपेक्षा की गई है जिससे हमारी पार्टी बिलकुल सहमत नहीं है। मायावती ने मांग की कि कि केन्द्र सरकार को इस कानून को देश के हित में वापस लेना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ जो ज्यादती हुई, उसका बदला भाजपा नीत वर्तमान केन्द्र सरकार भारत के मुसलमानों से लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जामिया और उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में पुलिसिया कार्रवाई निन्दनीय है जिसका हर ओर विरोध हो रहा है।

नागरिकता कानून पर

अमित शाह की विपक्ष को दो टूक, विरोध करना है करो

नई दिल्ली। संशोधित नागरिकता कानून के विरोध से इत्तेफाक नहीं रखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार सुनिश्चित करेगी कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के गैर मुस्लिम शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता हासिल हो और वे देश में सम्मान के साथ जी सकें। शाह ने नये कानून का विरोध करने वाले लोगों को चुनौती देते हुए कहा कि वे जितना चाहें कानून का विरोध कर सकते हैं।

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा, कुछ भी हो मोदी सरकार सुनिश्चित करेगी कि इन शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता हासिल हो और वे सम्मान के साथ भारतीय नागरिक बनकर जिएं। गृह मंत्री ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) कानून, 2019 के कारण कोई भी भारतीय अपनी नागरिकता नहीं खोएगा और यह कानून तीनों पड़ोसी देशों में अत्याचार का शिकार बने अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए बनाया गया है। उन्होंने कानून का विरोध करने वाले छात्रों से कहा कि इसे ठीक से पढ़ें और इसके अर्थ को समझें। उन्होंने कहा, मैं अपने मुस्लिम भाइयों-बहनों से कहना चाहता हूं कि आपको डरने की

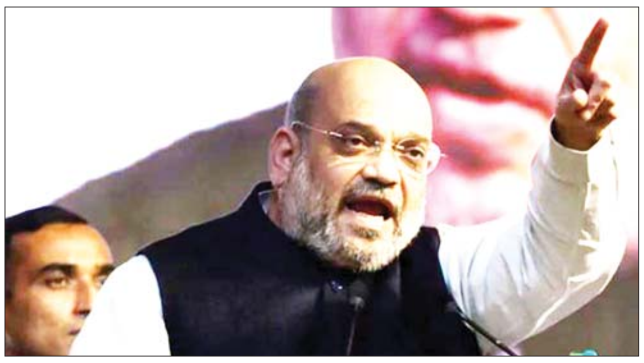

जरूरत नहीं है। जो लोग भारत में रह रहे हैं, उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। कोई भी भारतीय नागरिकता खोने नहीं जा रहा है। कांग्रेस लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। कानून वेबसाइट पर है। इसे पढ़िए। नरेन्द्र मोदी सबका साथ, सबका विकास में विश्वास करते हैं। किसी से भी अन्याय नहीं किया जाएगा। कानून के मुताबिक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न सहने वाले और 31 दिसम्बर 2014 तक आने वाले हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को अवैध शरणार्थी नहीं बल्कि भारतीय नागरिक माना जाएगा। शाह ने कहा कि कानून का एकमात्र उद्देश्य उन लोगों को नागरिकता देना है जो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक अत्याचार का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, हिंदू, सिख एवं अन्य भारत नहीं आएंगे तो ये लोग कहां जाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि नेहरू-लियाकत समझौते के मुताबिक इन लोगों को पाकिस्तान में संरक्षण दिया जाना था लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे। उन्होंने कहा, अब मोदी सरकार इन लाखों- करोड़ों लोगों को नागरिकता दे रही है। 70 वर्षों से हिंदू, सिख और अन्य बिना किसी नौकरी, जमीन, पानी के रह रहे हैं। मैं राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि उनकी स्थिति देखें कि वे किस तरह से अपनी जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का अमेठी दौरा स्थगित

अमेठी। केन्द्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति ईरानी का एक दिवसीय दौरा स्थगित हो गया है। स्मृति ईरानी के अपर सचिव विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि वस्त्र एवं महिला बाल विकास मंत्री भारत सरकार का आगामी 19 दिसंबर को प्रस्तावित एक दिवसीय अमेठी भ्रमण कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों के चलते स्थगित कर दिया गया है। बाद में कार्यक्रम तय होने पर जानकारी दी जाएगी।

सेक्स पावर बढ़ाने के लिए अमीर शेख करते हैं सोहन चिड़िया का शिकार

पाकिस्तान वसूलता है एक आदमी से डेढ़ करोड़ रुपये

नई दिल्ली। पाकिस्तान खाड़ी देशों के अमीर शेखों का दिल खुश करने के लिए कैसे कैसे हथकड़े अपनाता है, इस बात का खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है। पाकिस्तान ने हाल में कतर के शेख और राजघराने के नौ अन्य सदस्यों को सोहन चिरैया (होउबारा बस्टार्ड) को मारने की स्पेशल परमिट दी है। अलग-अलग इलाकों में सोन चिरैया या तिलोर के नाम से मशहूर होउबारा बस्टार्ड पक्षियों की एक दुलर्भ प्रजाति है। पाकिस्तान सरकार के इस फैसले का मुल्क में जमकर विरोध हो रहा है। पाक सरकार ने सिंध, बलूचिस्तान और पंजाब प्रांत क्षेत्र में सोन चिरैया के शिकार की इजाजत दी है। डॉन की खबर के मुताबिक तेल से समृद्ध खाड़ी देशों के अमीर शेखों को 10 दिन की सफारी में 100 सोन चिरैया का शिकार करने की परमिट दी गई है। ये परमिट उन्हें तीन माह 1 नवंबर, 2019 से 31 जनवरी, 2020 तक के सीजन के लिए दी गई है। परमिट व्यक्ति विशेष को दी गई है। चौंकने वाली बात यह है कि अमीर शेखों का मानना है कि सोन चिरैया का मीट खाने से

सेक्स पावर बढ़ती है। जबकि कोई रिसर्च इस बात की तस्दीक नहीं करती। दूसरा शौक का मामला है क्योंकि चिरैया के शिकार में बाज़ का इस्तेमाल होता है और ये खेल देखने में शेखों को बड़ा मजा आता है. रिपोर्ट्स के मुताबिक ये परमिट पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के डिप्टी चीफ ऑफ प्रोटोकॉल मोहम्मद अदील परवेज ने जारी की है। जिन लोगों को ये परमिट जारी की गई है उनमें कतर के पूर्व किंग हमद बिन खलीफा, उनके चाचा, भाई और राजघराने के 7 अन्य सदस्य शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार की इस नीति की मुल्क में आलोचना होती है। लेकिन इसके बावजूद यहां हर साल खाड़ी देशों के अमीर शेखों को इस तरह की परमिट जारी की जाती है। सोन चिरैया नवंबर से जनवरी माह के दौरान मध्य एशियाई क्षेत्र से पाकिस्तान में आती हैं। उन्हें यहां मध्य एशियाई क्षेत्र की तुलना में थोड़ा गर्म मौसम मिलता है जो उन्हें काफी मुफीद लगता है। सोन चिरैया की घटती आबादी के चलते कई अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संधियों के तहत इसका शिकार प्रतिबंधित है।

नागरिकता कानून पर पाकिस्तानी संसद के प्रस्ताव को भारत ने ठुकराया

इंडिया के घरेलू मामले में दखल ना दें पड़ोसी

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून पर पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के प्रस्ताव को भारत ने खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान की संसद का प्रस्ताव नागरिकता संशोधन कानून के उद्देश्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत तरह से पेश करने का प्रयास है। पाकिस्तान की संसद में पारित प्रस्ताव धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ इस्लामाबाद के खराब बर्ताव से ध्यान हटाने का प्रयास है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नागरिकता कानून पर पाकिस्तान की संसद का प्रस्ताव जम्मू, कश्मीर और लद्दाख पर उसके झूठे प्रचार को आगे बढ़ाने की नाकाम कोशिश है। बता दें कि पाकिस्तान की संसद ने सोमवार को भारत के नागरिकता (संशोधन) कानून के खिलाफ सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित

किया, जिसमें कहा गया कि यह द्विपक्षीय समझौतों के खिलाफ है और भारत से इसमें भेदभावपूर्ण धाराओं को हटाने की मांग की गई। पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री शफकत महमूद द्वारा नेशनल असेंबली में पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया कि नागरिकता अधिनियम समानता और गैर-भेदभाव के अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के खिलाफ है। यह संशोधन भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय समझौतों के खिलाफ भी है। उल्लेखनीय है कि इस संशोधित कानून के जरिए पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत में आए उन गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है, जो धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए 31 दिसंबर 2014 तक भारत पहुंचे थे।

लखनऊ से दिल्ली के लिए 21 से चलेगी स्पेशल ट्रेन

लखनऊ। कोहरे से ट्रेनें निरस्त होने के बाद रेलवे ने दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे लखनऊ से आनंद विहार के बीच एक लखनऊ-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन शुरू करने जा रहा है। ट्रेन का संचालन लखनऊ से 04205 लखनऊ-आनंद विहार के रूप में 21 दिसंबर से 11 जनवरी 2020 तक कुल सात फेरों में होगा। ट्रेन लखनऊ से प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को शाम 7.05 बजे चलेगी और आनंद विहार सुबह 5.15 बजे पहुंचेगी। वापसी में 22 दिसंबर से 12 जनवरी 2020 तक प्रत्येक शुक्रवार और रविवार रात 9.05 बजे आनंद विहार से रवाना होगी। डुप्लीकेट बेगमपुरा एक्सप्रेस चलेगी = वैष्णों देवी कटरा और वाराणसी के बीच भी एक विशेष ट्रेन 22 दिसंबर से चलेगी।

जामिया मामले पर राष्ट्रपति कोविंद से मिला विपक्ष

सोनिया गांधी बोलीं- हालात बहुत गंभीर

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में कई विपक्षी दलों के नेताओं ने नागरिकता कानून के बाद जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पुलिस कार्रवाई समेत देशभर के कई शहरों में मचे बवाल को लेकर मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। विपक्ष ने जामिया के छात्रों पर रविवार को हुई पुलिसिया कार्रवाई के मामले में न्यायिक जांच की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोगों की आवाज दबा रही है और ऐसे कानून ला रही है जो उन्हें स्वीकार्य नहीं है। सोनिया गांधी संशोधित नागरिकता कानून और जामिया मिल्लिया इस्लामिया में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को ज्ञापन देने गए विपक्षी शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रही थीं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हालात काफी गंभीर है। विभिन्न विपक्षी नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक

अधिकारों का उपयोग कर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस ने जिस ढंग से कार्रवाई की, उससे वे काफी दुखी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जामिया मिल्लिया इस्लामिया में महिला हॉस्टल में भी घुस गई और छात्रों की निर्ममता से पिटाई की। विपक्ष के नेताओं ने सोमवार को कहा था कि वे पुलिस की कार्रवाई तथा नागरिकता कानून में संशोधन के विषय पर राष्ट्रपति के साथ मिलकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में कई विपक्षी दलों के नेताओं ने नागरिकता कानून के बाद जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पुलिस कार्रवाई समेत देशभर के कई शहरों में मचे बवाल को लेकर मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। मालूम हो कि दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पुलिस कार्रवाई और विवादास्पद नागरिकता (संशोधन) कानून के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। प्रदर्शन का समर्थन नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी करते नजर आए। कहीं-कहीं ये प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, तो कहीं इसने हिंसक रूप ले लिया। जामिया के छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और नागरिकता कानून के खिलाफ गुस्से का असर उत्तर प्रदेश से लेकर केरल और महाराष्ट्र से लेकर पश्चिम बंगाल तक में देखा गया।

कोहरे के चलते डेढ़ महीने के लिए रद्द हुई 46 ट्रेनें, देखें लिस्ट

मुरादाबाद। सोमवार से मौसम बिगड़ने के साथ रेल सफर की दुश्वारियों की शुरूआत हो गई। अगले डेढ़ महीने के लिए बत्तीस ट्रेनों को रद्द किया गया है। जबकि सात जोड़ी ट्रेनों के फेरे घटे हैं। इनमें सबसे ज्यादा पंजाब मेल हफ्ते में तीन दिन रद्द रहेगी। कोहरे के चलते 16 दिसंबर से 31 जनवरी तक रेल संचालन अस्त व्यस्त रहेगा। रद्द हुई ट्रेनों से रेल यात्रियों को सफर में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। रेल मुख्यालय ने हर साल सर्दी के मौसम में होने वाले कोहरे के चलते तमाम ट्रेनों के संचालन में फेरबदल करता है। इस बार रद्द ट्रेनों की संख्या ज्यादा है। हालांकि इस बार कुछ ट्रेनों के फेरे घटाकर रेलवे ने रेल यात्रियों की परेशानी कम करने की कोशिश की है।

उत्तर भारत और दिल्ली के बाद अब दक्षिण भारत में

नागरिकता कानून पर बवाल, मद्रास यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। संशोधित नागरिकता कानून को लेकर पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। अब प्रदर्शन की आंच दक्षिण भारत तक पहुंच गई है। मद्रास यूनिवर्सिटी में मंगलवार शाम छात्रों ने नागरिकता कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा दिल्ली के गुरु गोबिंद सिंह यूनिवर्सिटी में भी छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया।

नागरिकता कानून को लेकर देशभर की कई यूनिवर्सिटीज में विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। दिल्ली स्थित जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, लखनऊ के नदवा कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी समेत कई यूनिवर्सिटीज में प्रदर्शन हो रहे हैं। मंगलवार को पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर और जाफराबाद इलाके में कानून के खिलाफ प्रदर्शन हुए। इस प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज कराई है। वहीं, मंगलवार को जामिया मिल्लिया इस्लामिया और

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (एमएएनयूटीए) ने विश्वविद्यालय परिसर में शांतिपूर्ण मार्च निकाला। एमएएनयूटीए ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और अन्य परिसरों में संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ लोकतांत्रिक प्रदर्शनों पर पुलिस कार्रवाई की निंदा की। शिक्षक संघ के मार्च में शिक्षकेतर कर्मचारियों और अन्य अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

जामिया मामले को लेकर राष्ट्रपति से मिला विपक्ष-कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में कई विपक्षी दलों के नेताओं ने नागरिकता कानून के बाद जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पुलिस कार्रवाई समेत देशभर के कई शहरों में मचे बवाल को लेकर मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। विपक्ष ने जामिया के छात्रों पर रविवार को हुई पुलिसिया कार्रवाई के मामले में न्यायिक जांच की मांग की है।

सम्पादकीय

विरोध और अराजकता

संविधान, कानून और लोकतांत्रिक मूल्यों की फर्जी आड़ लेकर नागरिकता कानून का जैसा हिंसक विरोध हो रहा है, उससे यही पता चल रहा कि अराजक तत्व उत्पात पर आमादा हैं। सरकारी एवं निजी संपत्ति को आग के हवाले करने और सड़क एवं रेल मार्ग को बाधित करने वाले इन उपद्रवी तत्वों का दुस्साहस इसीलिए चरम पर है, क्योंकि कुछ राजनीतिक दल उन्हें उकसाने में लगे हुए हैं। पश्चिम बंगाल के बारे में तो यह लगभग पूरी तौर पर साफ है कि ममता बनर्जी सरकार नागरिकता कानून के विरोध में सड़कों पर उतरे अराजक तत्वों को परोक्ष तौर पर शह देने में लगी हुई है। यही कारण है कि वहां मालदा, हावड़ा और मुर्शिदाबाद में व्यापक पैमाने पर हिंसा और आगजनी देखने को मिली। यदि उपद्रवी तत्वों के खिलाफ सख्ती का परिचय दिया जा रहा होता तो यह संभव ही नहीं था कि बंगाल में लगातार दूसरे दिन भी हिंसा देखने को मिलती। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से बंगाल में हिंसा को भड़काया जा रहा है। केंद्र सरकार के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि वह बंगाल में मचाए जा रहे उत्पात के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाए। चूंकि नागरिकता कानून विरोधी हिंसा ने दिल्ली में भी अपने पैर पसार लिए हैं, इसलिए केंद्र सरकार को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ ही सख्ती का भी परिचय देना होगा। विरोध का मतलब नग्न अराजकता नहीं हो सकता। दिल्ली में अराजक भीड़ ने जिस तरह दिन-दहाड़े कई बसों और दोपहिया वाहनों को आग के हवाले किया, उससे तो यही लगता है कि सुनियोजित तरीके से नागरिकता कानून विरोधी हिंसा को हवा दी जा रही है। चिंताजनक यह है कि यह खतरनाक काम देश के अन्य हिस्सों में हो रहा है। कई राजनीतिक दल इसके लिए अतिरिक्त मेहनत करते भी दिख रहे हैं। दुष्प्रचार में लिप्त ऐसे दलों की केवल आलोचना ही पर्याप्त नहीं। उन्हें बेनकाब भी किया जाना चाहिए। इसके साथ ही मानवतावादी होने का मुखौटा लगाए उत्पाती तत्वों को यह सख्त संदेश भी देना होगा कि किसी भी सूरत में हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। निस्संदेह किसी के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में जामिया मिलिया विश्वविद्यालय अथवा उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्रों को नागरिकता कानून का विरोध करने की जरूरत क्यों पड़ रही है? आखिर जब यह स्पष्ट है कि इस कानून का भारतीय मुसलमानों से कहीं कोई लेना-देना नहीं, तब फिर उसके विरोध का क्या औचित्य? उत्पात का पर्याय बन गए इस उन्माद भरे हिंसक विरोध से कड़ाई से निपटना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि कानून के शासन की हेठी हो रही है।

हिंसा नहीं स्वीकार्य

लोकतंत्र में असहमति का हक हर व्यक्ति को है। लोकतांत्रिक ढंग से शांतिपूर्वक विरोध भी हमारा अधिकार है। मगर छात्र हो या आम नागरिक, किसी को यह हक नहीं है कि सफर कर रहे यात्रियों को आतंकित करके बसों में आग लगा दे। आग बुझाने आई दमकल गाड़ियों को तोड़फोड़ दे। हाल ही में अस्तित्व में आये नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के आंदोलन के बाद रविवार को राजधानी में जैसी आगजनी व हिंसा हुई, उसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एस.ए. बोबडे ने जामिया वि.वि. तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में हुई हिंसा के बाबत दो टूक शब्दों में कहा 'पहले छात्र हिंसा बंद करें, फिर हम सुनवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन के खिलाफ नहीं हैं और अधिकारों के संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। वे छात्र हैं इसलिये उन्हें हिंसा करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कानून-व्यवस्था बनाये रखना पुलिस का काम है, इसमें हम ज्यादा दखल नहीं दे सकते। जंग के माहौल में सुनवाई नहीं हो सकती।' निस्संदेह रविवार को दिल्ली व अलीगढ़ में जो कुछ हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण ही है। रात में दिल्ली पुलिस मुख्यालय पर जेएनयू के छात्रों द्वारा धरना देने के बाद जामिया के हिरासत में लिये गये छात्रों को रिहा कर दिया गया। मगर इस मामले में कतिपय राजनीतिक दलों व उनके छात्र संगठनों की सक्रियता चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि इससे देश में अराजकता को बढ़ावा मिलता है। सोमवार को भी लखनऊ स्थित नदवा कालेज में उग्र प्रदर्शन हुए और पुलिस पर पत्थरबाजी की गई। हैदराबाद की मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी में छात्रों के विरोध प्रदर्शन हुए। निस्संदेह, नागरिकता संशोधन कानून को लेकर हो रहे उग्र प्रदर्शन चिंता का विषय है। पूर्वोत्तर से शुरू हुआ विरोध का सिलसिला पूरे देश को अपनी चपेट में लेता जा रहा है। हालांकि, पूर्वोत्तर में विरोध की अलग व्याख्या की जा रही है, मगर देश?के अन्य भागों में इसके विरोध की अलग व्याख्या है। राजनीतिक दल अपनी सुविधा के अनुसार इसकी व्याख्या कर रहे हैं और विपक्षी सरकारें अपने राज्यों में इसे लागू न करने की बात कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुलेआम कानून को राज्य में लागू न करने की बात कर रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राज्य में लगातार जारी हिंसा व बड़े पैमाने पर ट्रेन व बसें जलाये जाने के बाद जिस तरह से दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है, उससे उपद्रवियों के हौसले बुलंद हैं। केंद्र सरकार के स्तर पर यह कमी रही है कि विधेयक जल्दबाजी में लाकर पारित करवा लिया गया। इसको लेकर जिस तरह के राष्ट्रीय विमर्श की जरूरत थी, उसकी अनदेखी की गई। वहीं विपक्ष भी इस मुद्दे पर बहस करने के बजाय आंदोलन में कूद पड़ा। राजनीतिक व्याख्याओं के बाद अल्पसंख्यकों में असुरक्षाबोध उत्पन्न हुआ है। इस घटनाक्रम के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट करके कहा है कि मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि नागरिकता कानून से किसी भी धर्म का कोई व्यक्ति प्रभावित नहीं होगा।

भारतीय हितों की घातक अनदेखी

दुनिया भारत को हिंदू देश जानती है। अनुच्छेद 370 हटाने को सामान्य बताते हुए सऊदी प्रिंस ने कहा था कि %वह तो हिंदू देश है, लेकिन यही देश यानी भारत जब पड़ोस के उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को शरण दे रहा है, तो आपत्ति हो रही है। आपत्ति करने वालों में अग्रणी हिंदू परिवारों में जन्मे नेता और बौद्धिक भी हैं। उन्हें बांग्लादेश और पाकिस्तान प्रताड़ित हो रहे हिंदू धर्म-समाज के सिवा सबकी चिंता है। उन्हें हिंदू समाज के अतिरिक्त कहीं कोई अंधविश्वास, क्रूरता, गंदगी नहीं दिखती। यह विचित्र संवेदनहीनता है।

विडंबना यह है कि यह संवेदनहीनता स्वतंत्र भारत में विकसित हुई। भारतीय अर्थव्यवस्था में धीमेपन को %हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहकर कोसा गया, जबकि उसका कारण नेहरूवादी कम्युनिस्ट नीतियां थीं। हालांकि गत सात सौ साल से भारत हिंदू शासकों द्वारा नहीं, वरन विदेशियों से शासित रहा, फिर भी सारी गड़बड़ी का कारण हिंदू समाज को बताया जाता है। वस्तुतः लंबी विदेशी दासता और विजातीय शिक्षा ने एक वर्ग को आत्महीन बना दिया है। वे हिंदुओं पर होने वाले अन्याय, भेदभाव से निर्विकार रहते हैं, जबकि बाकी देश-विदेश के किसी भी समूह के लिए भरपूर परेशान होते हैं। इसी का नया उदाहरण सामने है। सत्तर वर्षों से उपेक्षित, अनाथ हिंदुओं, बौद्धों और अन्य ऐसे ही अल्पसंख्यकों को नागरिकता मिलने के निर्णय से वे तनिक भी प्रसन्न नहीं हुए। वे मुस्लिम आव्रजकों के लिए चिंतित हैं और इस पर संविधान की दुहाई दे रहे हैं। यह भूलकर कि संविधान देश के नागरिकों पर लागू होता है, विदेशी लोगों पर नहीं। अन्य देशों, लोगों, घटनाओं आदि पर नीति आवश्यकतानुसार बनती है। मसलन, यह तर्क मूर्खतापूर्ण है कि किसी देश के साथ संधि की तो दूसरे के साथ क्यों नहीं की? वैसे ही कहा जा रहा है कि एक शरणार्थी को लिया तो दूसरे को क्यों नहीं लिया? जो लोग अभी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश के मुस्लिम %उत्पीड़ितों के लिए आहें भर रहे हैं, उन्होंने कभी भी देश के अंदर ही चार लाख कश्मीरी पंडितों के अपमान, विस्थापन और सामूहिक संहार पर एक बयान तक नहीं दिया, जुलूस और विरोध तो दूर की बात है। इसी तरह पाकिस्तान, बांग्लादेश, फिजी, मलेशिया आदि में हिंदुओं और अन्य अल्ससंख्यकों के साथ होते दुर्व्यवहार, जुल्म पर कभी एक शब्द नहीं कहा। अरब देशों में काम करने वाले लाखों हिंदू अपने धर्म-त्योहार नहीं मना सकते, मगर इस पर हमारे बौद्धिकों ने कभी औपचारिक प्रतिवाद भी नहीं किया। नागरिकता कानून पर सारे शोर-शराबे के पीछे भारतीय हितों के विरोध की राजनीति है। यह अन्य धर्मों के दुखियारों की चिंता हरगिज नहीं है। यह हिंदू धर्म-समाज पर चोट करने, लज्जित, अपमानित करने का नया बहाना है। इन निंदकों ने कभी जेहादियों या धोखाधड़ी से धर्मांतरण कराने वाली मिशनरियों की भी आलोचना नहीं की। माओवादियों, उग्रवादियों द्वारा क्रूर हिंसा पर भी उन्हें कुछ महसूस नहीं होता, किंतु कोई हिंदू संगठन अपने मंदिरों पर इस्लामी या सरकारी कब्जा हटाने की मांग करे तो इन्हें नागवार लगता है। वे अयातुल्ला खुमैनी और यासेर अराफात जैसे शासकों के लिए शोकमग्न होते हैं। यही भावना औपचारिक शिक्षा तक में गहराई से घुसा दी गई है। पाठ्य पुस्तकों में महानतम हिंदू ज्ञान-ग्रंथों के प्रति भी तिरस्कार मिलता है, जबकि हिंसा और अंधविश्वास से भरी सामग्री के प्रति आदर भरे लंबे-लंबे अध्याय हैं। यह सब अबोध छात्रों को पढ़ाया जाता है। रोज घटने वाले ऐसे विचित्र कारनामों की सूची अंतहीन है। उनमें केवल एक समान तत्व है। हर हिंदू पीड़ा और चाह की निंदा, खिल्ली उड़ाना तथा हर मुस्लिम, ईसाई गतिविधि को समर्थन या उनका बचाव, चाहे वह गैरकानूनी, हिंसक और अमानवीय ही क्यों न हो। नियमित ऐसे समाचार आते रहते हैं, लेकिन नागरिकता का मुद्दा जनसांख्यिकी समस्या से भी जुड़ा है, इसलिए यह अधिक गंभीर है। आज योरप और अमेरिका में भी जनसांख्यिकी एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि यह जेहादी हथियार के रूप में भी प्रयोग हो रहा है। अभी-अभी ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी की भारी जीत में यह एक प्रमुख कारण है, जहां लोगों ने योरपीय यूनियन से अलग होने का निश्चय दोहराया है। वे अरब से आने वाले शरणार्थियों को रोकना चाहते हैं, क्योंकि कई इस्लामी संगठनों की रणनीति मुस्लिम आबादी बढ़ाकर प्रभुत्व कायम करना है। बहुत पहले लाहौर में इस्लामी देशों की एक बैठक में योरप में मुस्लिम आव्रजन बढ़ाकर %जनसांख्यिकी प्रभुत्व की योजना घोषित की गई थी। कुछ भारतीय मुस्लिम नेता भी ऐसी बातें कहते रहते हैं। वे कश्मीर पर मुंह सिले रखते हैं, पर बोस्निया, अफगानिस्तान, इराक जैसे देशों के लिए नियमित बयान जारी करते रहते हैं। यह पूरा परिदृश्य मामले की गंभीरता दिखाता है। पूर्वी योरप ने तो मुस्लिम आव्रजन पर पूरी पांबदी लगा दी है। आरके ओहरी की पुस्तक %लांग मार्च ऑफ इस्लाम में दुनिया के जेहादी आंदोलनों का लेखा-जोखा है। जब दुनिया में मुस्लिम आबादी 18 प्रतिशत थी, तो केवल सात देशों में जेहाद चल रहा था। आज यह आबादी बढ़कर 22 प्रतिशत हो गई है, तो तीस देश जेहाद की मार झेल रहे हैं। सीरिया, लेबनान, बोस्निया, कोसोवो इसके उदाहरण हैं। याद रहे कि भारत का विभाजन भी जेहादी सिद्धांत पर हुआ था। मुस्लिम लीग के पाकिस्तान प्रस्ताव में भी जेहाद का उल्लेख था। फिर बचे भारत में कश्मीर या पश्चिम बंगाल को भारत से अलग करने की बात भी केवल मुस्लिम संख्या बल के आधार पर ही की जाती रही है। तब क्या दुनिया के एकमात्र हिंदू देश भारत को इसकी फिक्र नहीं करनी चाहिए कि यहां जनसांख्यिकी और न बिगड़े? यहां के मुसलमान पहले ही अपने लिए एक अलग देश तक ले चुके हैं। यह सारी बातें कोई सांप्रदायिकता, असहिष्णुता नहीं, बल्कि अपना धर्म और देश बचाने की चिंता है। इससे आंख चुराने को प्रगतिशीलता कहा जा रहा है। वास्तव में इसी कारण बंगाल और दिल्ली की हिंसा पर चुप्पी साधी जा रही है। यह एक सुनियोजित साजिश के अलावा और कुछ नहीं कि पहले लोगों को उकसाया गया, फिर जब वे हिंसा पर उतर आए तो अराजकता फैलाने वालों के बजाय पुलिस और सरकार को कोसा जा रहा है। यह बेहद दुखद है कि सेक्युलर-वामपंथी बौद्धिक जिस पीड़ा, अन्याय और भेदभाव की चिंता सारी दुनिया के लोगों के लिए करते हैं, वह पिछले सौ वर्षों में हिंदू भी झेल रहे हैं, किंतु हमारे विचित्र बौद्धिक इन्हें अपने हाल पर छोड़ अपना आक्रोश और दुख बाकी हरेक के लिए व्यक्त करते रहते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि व्यक्ति की तरह हर देश की भी अपनी आत्मा और नियति होती है। भारत की आत्मा और नियति हिंदू धर्म से जुड़ी है। इसकी रक्षा और चिंता करना किसी सच्चे भारतीय का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए।

यौन हिंसा की जड़ों पर जरूरी प्रहार

समाज में तेजी से बढ़ रहे अपराध, विशेषकर महिलाओं और किशोरियों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं में मोबाइल, सिनेमा और टीवी के योगदान के संदर्भ में देश के नये प्रधान न्यायाधीश एस.ए. बोबडे की टिप्पणी काफी महत्वपूर्ण है। प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी पर हमें व्यापक परिप्रेक्ष्य में गंभीर मंथन करना होगा। महिलाओं से दुष्कर्म और सबूत मिटाने के इरादे से उन्हें जलाकर मार डालने की घटनाओं में आयी अभूतपूर्व तेजी कारकों का पता लगाने और ठोस समाधान खोजने के लिये मजबूर कर रही है। समाज के एक वर्ग में वहशी प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है और जिसका शिकार मासूम बच्चियों से लेकर उम्रदराज महिलाएं तक हो रही हैं, उसी के मद्देनजर कानून में संशोधन करके इस तरह के अपराध के जुर्म में मौत की सजा तक का प्रावधान किया गया। लेकिन इसके बावजूद इन घटनाओं में कमी नहीं आयी। इन घटनाओं पर संसद ने भी चिंता व्यक्त की है। इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आसानी से बहुतायत में उपलब्ध बच्चों के यौन शोषण और यौनाचार से संबंधित अश्लील सामग्री पर संसद में सदस्यों ने गहरी चिंता व्यक्त की और इस पर अंकुश लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुये राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने कांग्रेस के जयराम रमेश की अध्यक्षता में एक अनौपचारिक समूह का गठन किया है जो इंटरनेट और सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री से संबंधी मुद्दों का अध्ययन करेगा। सांसदों का यह अनौपचारिक समूह एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्यसभा के सभापति को सौंपेगा। सांसदों का यह समूह समाज के विभिन्न वर्गों के साथ ही कानून लागू करने वाली अनेक एजेंसियों, दूरसंचार नियामक प्राधिकरण, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और टिकटाक, व्हाट्सएप, गूगल, फेसबुक और माइक्रोसॉफ्ट जैसी सोशल मीडिया कंपनियों के साथ भी इस संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करेगी। राज्यसभा के सदस्यों की अनौपचारिक समिति का गठन निश्चित ही इंटरनेट के माध्यम से सहजता से उपलब्ध अश्लील सामग्री पर नियंत्रण लगाने के उपाय खोजने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। लेकिन सामाजिक ताने-बाने को बुरी तरह प्रभावित करने और विकृत मानसिकता को जन्म देने वाले ऐसे मुद्दों की ओर सरकार का रवैया हमेशा ही उदासीनता भरा देखने को मिला है।सूचना क्रांति के इस दौर में जब दुनिया की तमाम जानकारियां एक क्लिक में आपके सामने उपलब्ध हों तो ऐसी स्थिति में कुंठित मानसिकता वाले भी इसका दुरुपयोग करने से बाज नहीं आते हैं। चाइल्ड पोर्नोग्राफी परोसने वाली वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाने का मसला भी कई साल से शीर्ष अदालत की न्यायिक समीक्षा के दायरे में है। गैर-सरकारी संगठन 'प्रज्वला' की जनहित याचिका पर न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सरकार इस तरह की सामग्री उपलब्ध कराने वाली हजारों साइट प्रतिबंधित कर चुकी है लेकिन इसके बावजूद अभी भी अश्लील सामग्री उपलब्ध कराने वाली वेबसाइटें बड़ी संख्या में सक्रिय हैं। अभी गूगल, फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया मंचों पर उपलब्ध करायी जा रही अश्लील सामग्री का विवाद पूरी तरह सुलझ भी नहीं पाया था कि अचानक ही टिकटाक नाम का एक नया प्लेटफार्म सक्रिय हो गया।

जख्म ही जख्म

दो जख्म हजार
मगर तौबा न करना
मरते है हजार
मगर तुम रूसवा न करना।
है बहुत सहजादे यहाँ
दिल हमारा एकजादे हुआ
इस बात को समझकर तुम
इरादे इख्तियार रखना।
बात निकली है पुश्तों की
तो पुश्तो पे ऐतवार रखना
एक तो भूतकाल हुए
दूजे वर्तमान पे ऐतवार रखना।
मिटा दी जिसने हस्ती
उन हस्तियों का सौदा कैसा
लौटेंगे अपने दिन भी
इन अंधेरो से समझौता कैसा।
आपकी बहुत एहसान है
पर वो सिर्फ आपकी स्वार्थ
तीन पीढी बीत चुके
आये न कुछ भी हाथ।
तन्हाईयों की लत पडी
अब शोरगूल पसंद नहीं
तौबा कर ली जब
मुड कर देख लूँ ये पसंद नही।
गुणवान को पहचान पाओ
ये सबमें हुनर ही कहाँ
मौका परस्त लोगो का
काम के अलावा मतलब कहाँ।

आशुतोष
पटना बिहार

आधुनिक समय और आज की माँ

रजनी अपने दो साल के बेटे के साथ बस से ससुराल से मायके के लिए सफर कर रही थी।उसके पिता रजनी को ससुराल से अपने घर ले जा रहे थे।जैसे के आमतौर पर बेटियां अपने माँ बाप से मिलने जाती हैं।ससुराल से मायके तक बस से तकरीबन तीन घंटे का सफर पिता पुत्री को करना था।बस पूरी तरह यात्रियों से भरी हुई थी और धीरे धीरे अपनी मंजिल की और बढ़ रही थी।पिता पुत्री आपस मे अपने दुख सुख की बाते कर रहे थे कि अचानक रजनी के दो वर्षीय पुत्र राहुल ने अपनी माँ से दूध पिलाने के लिए कहाँ,राहुल अपनी भूख से इतना व्याकुल था कि वही बस में जोर जोर से रोने लगा। महिलाओ और पुरुषों से भरी बस में रजनी को बच्चे को दूध पिलाना बहुत ही असहज लग रहा था।वो समझ ही नही पा रही थी कि भूख से व्याकुल अपने पुत्र को भीड़ में दूध कैसे पिलाये। पिता और पुत्री राहुल को काफी समझाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन राहुल का बाल मन समझ ही नही पा रहा था।इधर बस में बैठे कुछ पुरुषों की नजर बस उस पल को देखने के लिए व्याकुल थी जब एक माँ अपने बच्चे की दूध पिलाएगी।रजनी ने जिस तरीक़े के वस्त्र पहने हुए थे उन वस्त्रो के साथ बच्चे की दूध पिलाना एक बहुत ही शर्मिंदगी की परिश्थिति का सामना करने के समान था।अचानक उस बस की भीड़ में से एक बूढ़ी अम्मा उठी और रजनी के पिता को उठाकर उनकी जगह बैठ गयी। अम्मा ने एक बड़ा सा शॉल ओढा हुआ था,उस शॉल को अम्मा ने रजनी को दिया और रजनी से कहाँ कि अब वो बेझिझक अपने पुत्र को दूध पिला सकती है।बूढ़ी अम्मा ने उस के अलावा रजनी से कुछ नही कहाँ।आधुनिक परिवेश में ढकी रजनी को बूढ़ी अम्मा का कुछ भी ना कहना ये समझा गया कि आधुनिक होना गलत नही है किंतु कुछ बातों में खुद को जगह के हिसाब से ढालना होता है और रजनी के मौन धन्यवाद को अम्मा ने समझा और उसके सर पर हाथ रखकर वापस अपनी जगह पर बैठ गयी।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश).
मोबाइल 09582488698
65/5 लाल क्वार्टर राणा प्रताप स्कूल के सामने ग़ाज़ियाबाद उत्तर प्रदेश 201001

'भारत में अब कोई भी बेटी सुरक्षित नहीं'

सोनाक्षी सिन्हा अपनी आगामी फिल्म 'दबंग 3' को लेकर खासी उत्साहित हैं। इस फिल्म के साथ सोनाक्षी इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे करने जा रही हैं। कुछ अनोखी बातों को सोनाक्षी ने हमसे शेयर किया। पेश हैं कुछ अंश...

'दबंग 3' से इंडस्ट्री में 10 साल पूरे कर लेंगी। इस जर्नी को कैसे बयां करेंगी?

पहले तो मुझे खुद यकीन नहीं हो रहा है कि हम वापस 'दबंग 3' तक आ पहुंचे हैं। यह मेरी शायद 25वीं फिल्म होगी और अब 10 साल पूरे होने को है। अभी भी लगता है कि पहली फिल्म कल ही तो रिलीज हुई थी। इन 10 सालों में मैंने जिस रफ्तार के साथ काम किया है, वक्त कब बीतता गया, अहसास ही नहीं हुआ। मैं खुद को लकी मानती हूं कि मुझे पहली फिल्म के साथ इतना एक्सपोजर और प्यार-सम्मान मिला है। मैंने उसे संभालकर रखा है और कोशिश रही है कि जिंदगीभर इस प्यार को संजोकर रखूं। मुझे लगता है कि आप इतना सारा काम कर लेते हैं और बहुत से एक्सपीरियंस से गुजर चुके होते हैं, तो आपके अंदर सहजता आ जाती है। मेरे लिए रज्जो के किरदार की बात की जाए, तो मुझे लगता है कि मैं नींद में भी इसका किरदार निभा सकती हूं। मैं उस जोन में आसानी से घुस जाती हूं, बहुत कंफर्ट आ जाता है।

सलमान संग आप किस तरह की बॉन्डिंग शेयर करती हैं। सीनियर, को-ऐक्टर या दोस्त?

मैं सलमान को फिल्मों में आने से पहले से जानती हूं। मेरे पापा और सलीम अंकल बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। उन्होंने अपने दिनों में बहुत सारा काम किया है। मैं सलमान को एक ऐक्टर के तौर पर नहीं जानती हूं, वह मेरे फैमिली फ्रेंड हैं। जब उनके साथ काम किया और इतना काम कर लिया है, तो अब जो बॉन्डिंग है, वह दिन प्रतिदिन बढ़ती ही गई है। आज मैं जो कुछ भी हूं और जहां भी हूं, उसका पूरा क्रेडिट सलमान और उनके परिवार को जाता है। अगर सलमान नहीं होते, तो शायद मैं ऐक्ट्रेस भी नहीं बनती। दरअसल मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे ऐक्टिंग करनी है। मैं तो फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर रही थी। उन्होंने आकर मुझसे कहा कि क्या कर रही हो? मेरे पास एक फिल्म है, उसमें ऐक्टिंग करोगी? उन्होंने प्रेरित नहीं किया होता, तो मैं आज यहां तक नहीं पहुंच पाती।

हैदराबाद में हुए बलात्कार से आज पूरा देश आक्रोशित है। क्या कहना चाहेंगी?

मेरे पास कोई शब्द ही नहीं है, ऐसी भयंकर चीजों को सोचकर ही खून खौल उठता है। यह बहुत दुख की बात है। मैं मानती हूं कि अब कोई भारत की बेटी बनना नहीं चाहता है क्योंकि हमारी कोई भी बेटी सुरक्षित नहीं है। हर दिन इस तरह की घटनाएं घट रही हैं। आप ऐक्शन तो ले रहे हो, लेकिन यह रिपीट क्यों हो रही हैं? 7 साल हो गए हैं निर्भया केस को, अभी हम उससे उबरे ही नहीं थे कि यह घटना घट गई। कोई कुछ नहीं कर रहा है। मुझे ऐसे लोगों की मानसिकता समझ नहीं आती है।

कोई ऐसा पल जब आपको औरत होने का गर्व हुआ हो?

मैंने हमेशा से औरत होने पर गौरवान्वित ही महसूस किया है और यह चीज मेरी परवरिश से आई है। मेरे घर पर कभी भी भेदभाव नहीं किया गया। मुझे कभी यह महसूस नहीं कराया गया कि मैं लड़की हूं, तो यह नहीं कर सकती। मुझे पता है कि मैं उन चंद महिलाओं की कैटिगरी में आती हूं और इसके लिए भगवान की शुक्रगुजार हूं।

समाज में आज भी कई जगहों पर महिलाओं को अपने हक की लड़ाई लड़नी पड़ती है। आपकी क्या राय है?

अजीब सा ही है क्योंकि हमें जिस चीज के लिए लड़ना नहीं चाहिए हम उसके लिए लड़ रहे हैं। यह जिंदगी की सबसे बड़ी आयरनी है। ऐसा देश जहां हम इतनी देवियों को पूजते हैं, वहाँ औरतों को अपने मौलिक हक के लिए लड़ना पड़ता है। मुझे यह बहुत अजीब लगता है, हालांकि इस बात की भी खुशी है कि हमारे देश में अब कई औरतें अपनी आवाज उठाने लग गई हैं। चाहे वो फिल्म इंडस्ट्री की बात हो या पॉलिटिक्स, लड़कियां आगे बढ़ रही हैं।

सई भी आपकी ही तरह डेब्यू करने जा रही हैं। आपने कोई टिप्स दिया?

आजकल जो भी डेब्यू कर रहे हैं, वे बहुत ही तैयारी के साथ आते हैं। सई बहुत ही खूबसूरत और टैलेंटेड है। उसकी ट्रेनिंग भी बहुत अच्छे से हुई है। मुझे नहीं लगता कि मुझे उसे कोई टिप्स देने की जरूरत है। मैं उसके लिए कामना करती हूं कि उसका फ्यूचर बहुत अच्छा हो।

जब फिल्में नहीं चल पाती हैं, तो अपनी चॉइसेज लेकर कोई मलाल होता है?

बिलकुल भी नहीं, जो फिल्में नहीं चलती हैं उससे भी हम सीखते ही हैं कि क्या नहीं करना चाहिए। मैं हमेशा हर फिल्म को एक एक्सपीरियंस की तरह मानती हूं। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यही होती है कि मैं शूटिंग के दौरान अच्छा महसूस करूं। मैं अपना काम पूरी ईमानदारी से करूं और उस किरदार में पूरी जान डाल दूं। मैं सबसे सीखने की कोशिश में लगी रहती हूं। अगर इन पॉइंट्स पर मैं संतुष्ट हूं, तो फिल्में नहीं भी चलें, तो मुझ पर खास फर्क नहीं पड़ता है। हां, बुरा जरूर लगता है क्योंकि इतने सारे लोगों की मेहनत और समय लगा हुआ होता है। हालांकि इसे लेकर बैठना सही नहीं, मूव ऑन करना पड़ता है। उतार-चढ़ाव तो हर किसी की जिंदगी का हिस्सा है।

सोशल मीडिया पर आप बहुत वोकल रही हैं। हाल ही में आपने बॉडी शेमिंग पर एक विडियो शेयर किया था। सोशल मीडिया पर केवल महिलाओं पर ही इतने प्रेशर क्यों होते हैं। कोई नहीं देखता कि मर्दों की कैसी तोंद निकली हुई है। महिलाओं को हमेशा टिपटॉप रहना है। क्यों इतना दबाव है? यही तो सोसायटी का अन्यायपूर्ण रवैया है। जेंडर इनइक्वालिटी आपको सोशल मीडिया पर भी दिख जाएगी। इसलिए मैंने यह विडियो बनाया ताकि मैं उनकी आवाज बन सकूं और जो फॉलो करते हैं, वो थोड़ा बदलें।

हत्या के प्रयास में फरार चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार

ऊमरी पुलिस की बड़ी कार्यवाही

भिंड। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री रुडोल्फ अल्वारेस के निर्देशन में , अति. पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार कंचन एवं डीएसपी हेड क्वार्टर श्री सतीश दुबे के मार्ग दर्शन में चलाये जा रहे धरपकड अभियान के तहत ऊमरी पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में घटना दिनांक से फरार चल रहे आरोपीगणो को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। दिनांक 12/10/19 को फरियादी पवन पुत्र सारदेव यादव निवासी ऊमरी ने रिपोर्ट की थी कि दिनांक 11/10/19 के शाम करीब 06.30 बजे की बात है मै भिण्ड से अपने गांव ऊमरी अपनी बोलेरो गाडी से आ रहा था तभी पीछे एक गाडी मेरा पीछा कर रही थी जिसमें अकोडा का पिन्टू उर्फ गोविंद ने मुझे गाडी रोकने की आवाज दी मैने गाडी धीमी की तो मैने पिन्टू के हाथ में हथियार देखा गाडी में साहव उर्फ सर्वेश शर्मा भी बैठा था व अन्य दो लोग बैठे थे जैसे ही मै मोरकुटी के पास पहुंचा तो उक्त लोगों ने मेरी गाडी के आगे अपनी गाडी लगा ली और गाली गलौज कर हवाई फायर देने लगे व पिन्टू ने एक गोली मुझे जान से मारने की नियत से मारी जो गाडी के गेट में होते हुए मेरी कूल्हे पर लगी एवं आरोपीगणो ने जान से मारने की धमकी दी। उक्त रिपोर्ट पर थाना ऊमरी पर अपराध क्र. 291/19 धारा 307,336,294,506,34 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त आरोपीगण घटना दिनांक से फरार चल रहे थे जिन्हे आज अकोडा तिराहे से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया। एवं आरोपीगणो से घटना में उपयुक्त आलाजरर हथियार भी जप्त किये गये।उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक रविन्द्र सिंह गुर्जर ,उ.नि. एस.एस. चौहान, उ.नि. वीएन मिश्रा,आर. राहुल सिंह, आर. मयंक दुबे, आर. अनुज छारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प.रामप्रसाद बिस्मिल को समर्पित बाल मेला 22 को

अम्बाह। चंबल अंचल के महान सपूत अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की शहादत को समर्पित वार्षिक आयोजन बाल मेले का आयोजन इस वर्ष से 22 दिसंबर को भव्य स्तर पर किया जा रहा है रोटरी क्लब अम्बाह द्वारा आयोजित होने वाल यह बाल मेला पचासा मैदान पर आयोजित होगा। मंगलवार को द राइजिंग स्टार स्कूल में आयोजित बैठक में इस बात का निर्णय लिया गया कि मेला में चंबल अंचल की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस आशय की जानकारी देते हुए रोटरी क्लब के अध्यक्ष अंकित मिश्रा सचिव प्रदीप शुक्ला ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया है कि यह मेला अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल को समर्पित है मेले में बच्चो व्दारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी एवं आने वाले नई पीढ़ी को बिस्मिल जी इतिहास और योगदान से परिचित कराया जाएगा बच्चों को बताया जाएगा कि किस तरह पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दे दिया था मेले में अम्बाह की 20 अधिक शैक्षणिक संस्थाएं सम्मिलित होगी।

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष

रणविजय सिंह ने शासकीय महाविद्यालय का किया औचक निरीक्षण

लहार(अर्पित गुप्ता)। शासकीय महाविद्यालय लहार में जनभागीदारी समति अध्यक्ष रणविजय सिंह उर्फ रिंकू महुआ ने औचक निरीक्षण किया और सफाई ब्यबस्था पर जोर दिया उन्होंने कहा सफाई के साथ साथ बृक्षारोपण पर भी बिशेष अभियान चलाकर महाविद्यालय को हरा भरा किया जाए जिससे महाविद्यालय की खूबसूरती में चार चांद लगाए जा सके । कक्षाएं नियमित लगाई जाए लापरवाह को बक्सा नही जाएगा निरीक्षण करते बक्त जनभागीदारी अध्यक्ष ने कहा कि महाविद्यालय में कक्षाएं नियमित रूप से लगाई जाए जिससे कि पढ़ाई का स्तर बढ़ाया जा सके इसमें जो भी लापरवाही करेगा उसे बक्सा नही जाएगा इस मौके पर सिंचाई विभाग अध्यक्ष चंद्रप्रकाश दुबे उर्फ चंदू अखदेबा एबम महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एबम छात्र प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

महाविद्यालय में साफ सफाई का रखें बिशेष ध्यान दिए निर्देश

भाजपा ने मध्यप्रदेश में नागरिकता संशोधन कानून लागने करने सौंपा ज्ञापन

मुरैना। भारत की संसद द्वारा नागरिका संशोधन बिल-2019 पारित किये जाने के बाद राष्ट्रपति द्वारा दी गयी मंजूरी के बार मप्र में काबिज कांग्रेस सरकार द्वारा बिल को लागू नहीं किये जाने के विरोध में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी मुरैना द्वारा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन देकर प्रदेश में नागरिकता संशोधन बिल लागू करने की मांग की। इस अवसर पर पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। ज्ञापन में बताया कि नागरिकता संशोधन बिल-2019 संसद में पारित होने एवं राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी के बाद कानूनी स्वरूप लेकर संपूर्ण भारत में रह रहे शरणार्थियों की भारतीय नागरिकता का मार्ग प्रशस्त करता है। जिससे विभिन्न पडोसी देशों में धर्म के आधार पर उत्पीड़न के शिकार शरणार्थियों की भारत में नागरिकता की मांग को देखते हुये कानून पारित किया है लेकिन मप्र में काबिज कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री कमलनाथ नागरिकता संशोधन बिल को लागू न करने के निर्णय के विरोध में मंगलवार को भाजपा ने विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नागरिकता संशोधन कानून बिल को लागू करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नप दबोह में मनाया गया विजय दिवस

विजय दिवस पर सीएम के सन्देश का हुआ वाचन

दबोह। नगर परिषद कार्यालय दबोह में 16 दिसम्बर को विजय दिवस मनाया गया,विजय दिवस के दौरान सबसे पहले राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व संविधान के निर्माता भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र पर तिलक व माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया तदोपरांत नगर परिषद दबोह के द्वारा पूर्व सैनिक सूबेदार महावीर शरण तिवारी को शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।विजय दिवस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर द्वारा मुख्यमंत्री के सन्देश का वाचन किया गया साथ ही विजय दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 16 दिसम्बर को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है।इस युद्ध के अंत के बाद 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था।साल 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद हो गया,जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है।यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के दिल में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ।इसी लिए यह दिन देश भर में 16 दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।वर्ष 1971 के युद्ध में करीब 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि 9,851 घायल हो गए थे।वहीं ऐसी क्रम में मुख्य रूप से मौजूद नायाब तहसीलदार रमाशंकर सिंह ने विजय दिवस पर कहते हुए प्रकाश डाला।उसके बाद उपस्थित सभी लोगो ने शहीदों के श्रधांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण किया।इन दौरान नगर पंचायत उपाध्यक्ष रफीक खान,समस्त पार्षदगण,नगर परिषद स्टाफ व पत्रकारबन्धु मौजूद रहे।।

समर्थन मूल्य पर ज्वार-बाजरा खरीदी तिथि बढ़ी

मुरैना राज्य शासन ने किसानों की माँग के चलते समर्थन मूल्य पर मोटा अनाज (ज्वार एवं बाजरा) उपार्जन की तारीख को 9 दिसम्बर से बढ़ाकर 27 दिसम्बर कर दिया है।

आबकारी विभाग ने अवैध शराब के विरुद्ध चलाए अभियान में 36 पेटी देशी विदेशी मदिरा जप्त

धार, (अर्पित गुप्ता)। कलेक्टर श्रीकांत बनोट के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त नागेश्वर सोनकेशरी के मार्गदर्शन में जिले के वृत्त सरदारपुर एवं बदनावर से 11 पेटी देशी मदिरा प्लेन 16 पेटी, बीयर 05 पेटी, देशी मदिरा मसाला 04 पेटी, विदेशी मदिरा इस प्रकार 36 पेटी देशी विदेशी मदिरा जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 09 प्रकरण एवं धारा 34 (2) के तहत 02 प्रकरण इस प्रकार कुल 11 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। जप्त की गई मदिरा का अनुमानित मूल्य 100000/- रुपये है।उपरोक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया, गोपाल सिंह राठौड़, सुनील दत्त भट्ट, देवेश चतुर्वेदी, सी.एस. मीणा, प्रशांत मंडलोई, शंभू दयाल जाटव, आबकारी उपनिरीक्षक एस.एन. सिंगनाथ, मनोज कुमार अग्रवाल, आकांक्षा गर्ग, एकता सोनकर, एवं वृत्त सरदारपुर, सागौर, बदनावर एंव धार का समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से गांव को लक्ष्य रखकर आसपास के

5 गांव को जोड़कर 7 दिन की प्रतियोगिता का आयोजन

सिहोर। नसरुल्लागंज हमीदगंज सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम भारत माता के समक्ष देवी सिंह धुर्वे (जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि) महेश पटेल पर्वत सिंह उईके भीख पुरी गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर भीखपुरीगोस्वामी ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन समाज में सेवा का कार्य करती है इसमें नियमित रूप से छोटे बच्चों को शिक्षा तथा संस्कार का कार्य के साथ ही युवाओं को खेल के माध्यम से जोड़कर ग्राम विकास की दिशा में प्रेरित करना। इसके साथ ही अलग-अलग प्रकार की गतिविधियां संचालित की जाती है जिसमें वृक्षारोपण योगाभ्यास व्यक्तित्व विकास शिविर ग्राम करो मेला स्वच्छता अभियान के साथ ही खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से एक गांव को लक्ष्य रखकर इसके आसपास के 5 गांव को जोड़कर 7 दिन की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है इस प्रतियोगिता में भारतीय खेलों के साथ-साथ कबड्डी वॉलीबॉल खो-खो आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है स्वामी विवेकानंद

का मानना था कि भारत का युवा ऐसा हो जिसकी फौलाद की मांसपेशियां हो तथा समुंदर को लांग जाने साहब हो यह कार्य तभी संभव है जब हम नियमित रूप से शारीरिक करेंगे साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने के लिए फिट रहना पड़ेगा हमारे प्रधानमंत्री भी इसी को ध्यान में रखकर हम फिट इंडिया फिट अभियान के तहत फिट इंडिया कार्यक्रम चलाया जा रहा है आप सभी नियमित रूप से खेल से जुड़े हैं जो बड़ी आयु के बंधु भगिनी है वॉकिंग से लेकर नियमित सूर्या व्यायाम आदि करें योगासन के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है सूर्या फाउंडेशन के माध्यम से आदर्श ग्राम योजना के तहत इस वर्ष सवा लाख लोगों को खेल से जोड़ने की योजना है देवी सिंह धुर्वे ने कहा कि फाउंडेशन जो सामाजिक कार्य में सक्रिय है वह एक सराहनीय कार्य है युवाओं को आगे बढ़कर इस प्रकार के कार्यों में सहभागिता निभानी चाहिए कबड्डी प्रतियोगिता में रूसी स्पोर्ट्स क्लब पिपलानी की टीम विजेता रही तो खो खो में हमीदगंज की टीम विजेता रही सूर्य नमस्कार में बहनों वर्ग नेहा सेन प्रथम ज्योति भारती द्वितीय संतोषी काकोलिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया दौड़ में कृष्णा प्रथम आयुष्य द्वितीय दीपिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया दीपक महेश्वरी ने प्रथम अनुराग चौहान द्वितीय कुलदीप मीणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को मेडल स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया नन्हे-मुन्ने बालकों द्वारा देश भक्ति गीत तथा नृत्य किया गया इस कार्यक्रम में महेश पटेल, पर्वत सिंह उईके खाम सिंह परमार जिला संयोजक आयोग मित्र जितेंद्र यादव दिनेश दिनेश यादव बबलू सलाम शिव राजवाड़े राजपाल परमार संजय तुम राम सुशील चौहान रवि वर्मा सुनील कहर अर्जुन मेहरा धूम सिंह संतोषी ककोडीया ज्योति उईके, संगीता बकोरिया पदम तुम राम महेश कुमरे सहित अनेक बंधुओं की सहभागिता रही।

रिजा खान अब सबकी बातें आसानी से सुन सकेगी

मुरैना। शायद कुमारी रिजा खान को नहीं पता था कि जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती प्रियंकादास तत्काल मौके पर कान की मशीन उपलब्ध करा देंगी और कुमारी रिजा खान सबकी बातें आसानी से सुन सकेंगी। यह कहानी नहीं जबकि जनसुनवाई में हकीकत में देखने को मिला। गणेशपुरा निवासी इकलामुद्दीन ने आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किया कि मेरी कुमारी रिजा खान की उम्र मात्र 9 वर्ष है। जन्म से ही इसके कान में पर्दे की शिकायत है। मेरे द्वारा मुरैना के अलावा अन्य अच्छे हॉस्पीटल में इसका इलाज करा लिया है किंतु यह सुन नहीं पाती है। लड़की होने के नाते मैं बड़ा चिंतित रहता हूं कि आगे समय में यह 18-20 वर्ष की उम्र में बड़ी होगी तब इसकी शादी के लिये मुझे बहुत मशक्कत करनी पड़ेगी शायद कोई ऐसा परिवार मिल जाये जो इसे अपना सके। आवेदन को कलेक्टर ने गंभीरता से पढ़ा और मौके पर सीएमएचओ को फोन पर बुलाया और कान की मशीन जनसुनवाई में ही उपलब्ध करा दी। जब बच्ची के कान की मशीन लगाई गई तो बच्ची सब कुछ सुनने लगी तब सीएमएचओ ने बच्ची का नाम पूछा तो तपाक से रिजा खान बताया। सब लोग चकित हो गये कि रिजा खान अब सबकी बातें सुन सकेगी। यह सब जनसुनवाई में देखने को मिला।

तानसेन समारोह-2019

संगीत सम्राट की समाधि पर हरिकथा और मीलाद के साथ समारोह शुरू

ग्वालियर। हिंदुस्तानी शात्रीय संगीत के प्रतिष्ठित आयोजन तानसेन समारोह की आज यहां हजीरा स्थित संगीत सम्राट तानसेन के समाधि स्थल पर हरिकथा एवं मीलाद वाचन के साथ परंपरागत शुरुआत हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं संगीत रसिक उपस्थित थे। भारतीय संस्कृति में रची बसी गंगा जमुनी तहजीब और सर्वधर्म समभाव की सुदीर्घ परंपरा को बढ़ाने में तानसेन संगीत समारोह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज सुबह 10 बजे शहर के आध्यात्मिक गुरु ढोलीबुआ महाराज ने तानसेन की समाधि पर हरिकथा का वाचन किया और सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया। उन्होंने प्रातःकालीन राग भैरवी में भजन गाए जिनका सार था कि दुनिया नाशवान है और परमात्मा ही एक मात्र सत्य है। इसके साथ ही हज़रत कामिल ने तानसेन की समाधि पर मीलाद वाचन किया और चादरपोशी कर तानसेन को खिराजे अकीदत पेश की। इस मौके पर संगीत सम्राट तानसेन के आध्यात्मिक गुरु हजरत मोहम्मद गौस के मकबरे पर भी चादरपोशी की गई। कार्यक्रम में मजीद खां एवं उनके साथियों ने पारंपरिक शहनाई वादन प्रस्तुत किया। इसके साथ ही पांच दिवसीय तानसेन समारोह की पारंपरिक शुरुआत हो गई। कार्यक्रम में उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक अखिलेश वर्मा, उपनिदेशक राहुल रस्तोगी, स्थानीय समिति के सदस्य श्री बालखाण्डे सहित वरिष्ठ अधिकारी, पत्रकार एवं कला रसिक उपस्थित थे।

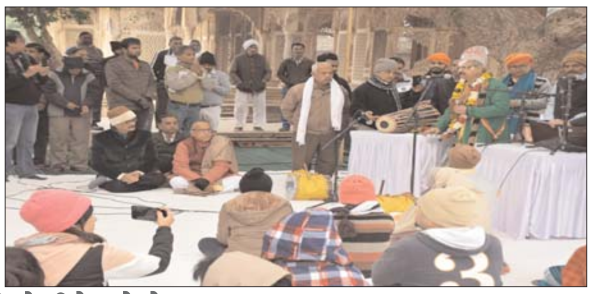

छात्रों के ऊपर दिल्ली पुलिस द्वारा शोषण और अत्याचार के खिलाफ ग्वालियर में प्रदर्शन

अर्पित गुप्ता

ग्वालियर। ग्वालियर के कई छात्र,छात्र संगठन और बुद्धिजीवी 16 दिसम्बर की दोपहर 03 बजे फूलबाग चौराहे पर इकट्ठे हुये और दिल्ली में छात्रों के ऊपर दिल्ली पुलिस के द्वारा किए गए शोषण और आत्याचार के खिलाफ छात्र एकता का प्रदर्शन किया।भारत की नई सरकार का यह रवैया, ये किसी भी विरोध की आवाज़ को बल और हथियारों से दबा देना,एक संगीन व चिंताजनक मुद्दा बन गया है,जो कि लोकतंत्र एवं नागरिकों के संवैधानिक अधकारों का साफ बहिष्कार करता है समय आ गया है भारत भर के छात्रों का साथ मिल कर आवाज़ उठाने का वरना जो उनके साथ हुआ वो कल आपके साथ भी हो सकता है।इसी उपलक्ष में छात्र आज फूलबाग पर इकट्ठे हुए और प्रदर्शन किया।छात्रों में दिल्ली में हुए उनके साथियों के साथ हुई बर्बरता को लेकर बहुत रोष और आक्रोश था और सभी देश को लेकर चिंता में डूबे थे।जहाँ वकील स्वप्निल शुक्ला ने इसे पुलिस प्रशासन की ज़्यादती बताया वहीं रचना अग्रवाल ने कहा कि हम भी देश के किसी भी हिस्से में छात्रों पर होने वाले अत्याचार के ख़िलाफ़ हैं। वकील शिवांक झांजी ने समाज को जागने और फासीवाद के खिलाफ उठाने का आव्हान कियाम एम आई टी एस की छात्रा इशिका गांधी ने कहा के यह सिर्फ दिल्ली के छात्रों पर नहीं बल्कि देश भर के छात्रों पर हमला है।हरप्रीत कौर ने समाज को जागने का आव्हान किया द्यवहाँ हरिमोहन,गोपाल,शोभित गुप्ता, चित्रांश,स्वराज,तनिष्क,अजीत, आशु,पीयूष,हाशिम आदि साथी मौजूद रहे।

स्वच्छता संबंधी रिपोर्ट भेजने हेतु

डिप्टी कलेक्टर श्री खेमरिया नोडल अधिकारी नियुक्त

ग्वालियर। कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी ने ग्वालियर नगर के सभी वार्डों में स्वच्छता सर्वेक्षण एवं नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम से प्राप्त कचरा निस्तारण दलों की विधानसभावार एवं वार्डवार निगरानी एवं निरीक्षण हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई है। सफाई व्यवस्था के संबंध में कचरा निस्तारण दल एवं निगरानी दलों द्वारा की गई कार्रवाई, उपस्थिति एवं प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट को संबंधित अधिकारियों तक भेजने के लिए डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव खेमरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला पंचायत कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम के दूरभाष क्र.-0751-2340342 पर प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक वॉट्सएप नम्बर 9893572488 पर जानकारी भेजेंगे। कंट्रोल रूम के दल का प्रभारी परियोजना अधिकारी श्री जय सिंह नरवरिया को बनाया गया है, इनका मोबा. नं. 9425115797 है। जबकि इनके सहयोग के लिए विकासखण्ड समन्वयक मुरार श्रीमती अर्चना जादौन जिनका मोबा. 9993271413 है। विकासखण्ड समन्वयक बरई श्रीमती स्वाति गुप्ता मोबा. 9993851112 और विकासखण्ड समन्वयक डबरा श्रीमती हेमा राखे मोबा. 9907672676 को रखा गया है। कलेक्टर श्री अनुराग चौधरी ने नोडल अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे जिला अधिकारी जिन्हें स्वच्छता संबंधी दायित्व सौंपे गए हैं उन्हें कंट्रोल रूम में पदस्थ अधिकारियों के माध्यम से सूचित करायेंगे कि उनके कर्तव्य स्थल कहां है।

पेंशनर दिवस समारोह संपन्न

ग्वालियर। 17 दिसंबर 19 पेंशनर एसोसिएशन मध्य प्रदेश शाखा जिला गवालियर द्वारा पेंशनर दिवस समारोह वरिष्ठ सेवा संस्थान कस्तूरबा आश्रम कंपू में मुख्य अतिथि डॉक्टर श्री आशा माथुर अध्यक्षता श्री प्रताप सिंह कुशवाह सेवा निर्वत सत्र न्यायधीश बशिष्ट अतिथि श्री देव श्रीमाली विशिष्ट पत्रकार स्वागत भाषण आरती शर्मा अध्यक्ष कार्यक्रम संचालन मोहन सिंह कुशवाहा प्रीतम सिंह कुशवाहा द्वारा पेंशनर गीत प्रस्तुत किया आभार प्रदर्शन गोविंद सिंह कुशवाहा द्वारा किया गया सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम में सर्वश्री किया केडी सोनकिया रविंद्र तिवारी डीएसपी रिटायर्ड विचार व्यक्त किए सेवा निर्वत 75 साल पेंशनर सर्व श्री शिवराज सिंह भदोरिया दिनेश चंद गुप्ता जी सक्सेना एपीएस चौहान डॉक्टर डीके पीएस शुक्रवार हेमंत शुक्ला जी चौहान नंदराम कुशवाहा पातीराम उच्चरियाआदि को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद के लिए अनंतिम सूची हेतु दावे-आपत्त्तियां 20 दिसम्बर तक

ग्वालियर। एकीकृत बाल विकास परियोजना शहरी क्र.-3 ग्वालियर के तहत वार्ड क्र.-30 एवं 31 में रिक्त पद आंगनबाड़ी सहायिका के चयन हेतु खण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक उपरांत अनंतिम सूची जारी की जा चुकी है। अनंतिम सूची के विरूद्ध दावे एवं आपत्तियां 20 दिसम्बर तक परियोजना कार्यालय में प्राप्त की जा सकेंगीं। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास शहरी क्र.-3 ग्वालियर ने बताया कि अनंतिम सूची का अवलोकन कार्यालय परियोजना शहरी क्र.-3 ग्वालियर कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला-बाल विकास जिला ग्वालियर, कार्यालय जिला पंचायत ग्वालियर एवं संबंधित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर किया जा सकेगा।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए निः शुल्क आवासीय प्रशिक्षण

ग्वालियर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एवं उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र. (सेडमैप) ग्वालियर द्वारा आयोजित इंटरप्रेन्योरशिप स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम (ईएसडीपी), 7 दिवसीय एवं 21 दिवसीय निश्शुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र. (सेडमैप) चौहान प्याऊ, भगवती गार्डन के पास थाटीपुर ग्वालियर में किया जा रहा है। उक्त आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से लाभान्वित किया जाना है। आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों का पंजीयन कर साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाना है। आवेदन की अंतिम तिथि 26 दिसम्बर है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा स्वरोजगार स्थापनार्थ उद्योग सेवा से संबंधित समस्त इकाईयों की जानकारी एवं विभाग द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्रदाय करना है। कार्यक्रम में शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियां जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य हो एवं न्यूनतम योग्यता कक्षा-8वीं उत्तीर्ण हो, वह आवेदक कार्यक्रम में उपस्थित होकर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पंजीयन कराएं और पंजीकृत आवेदकों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाएगा।

ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका।
TOMAR ASSOCIATES
प्लॉट खरीदने एवं निवेश के लिए सम्पर्क करें
मूलभूत सुविधाऐं
कॉलोनी के चारों और बाउण्ड्री बॉल
मैन गेट पर सी.सी.टी.वी. कैमरा व सिक्योरिटी गार्ड
लाईट, पानी, सीवर लाईन, कम्युनिटी हॉल
बच्चों के लिये गार्डन, सड़कों पर लाईट, मन्दिर,
सुन्दर विशाल पार्क, जिम, जॉगिंग ट्रेक,
वॉस्केट बॉल मैदान, स्वीमिंग पुल,
शॉपिंग कॉम्प्लैक्स व स्कूल की सुविधा।
मात्र 25 प्रतिशत प्लॉट की कीमत जमा करवाकर प्लॉट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवायें एवं शेष धनराशि 75% बिना ब्याज के दें।
ग्वालियर शहर में अपने सपनों का घर बनायें।
T&CP APPROVE FORM-4
बुकिंग मात्र 25,000/- से
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

TOMAR ASSOCIATES
सोलर पेनल लगवाने पर बैंक द्वारा लोन की सुविधा।
सोलर पेनल लगाये और बिजली बिल से छुटकारा पायें। साथ ही पर्यावरण बचायें। सौर्य ऊर्जा लगवाकर म.प्र. सरकार से सब्सीडी पायें।

Bipin Tomar (Bhidosa)
Greennub Exclusive Partner
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9713253992 7828039035

श्रमिकों को 2 करोड़ से अधिक ग्रेच्युटी व 9 लाख की दी सहायता

मुरैना। प्रदेश सरकार असंगठित और संगठित श्रमिकों के उत्थान और उनके बेहतर कल के लिए कार्य कर रही है। सहायक श्रमायुक्त भोपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में त्रैमासिक अवधि में श्रमिकों की प्राप्त विभिन्न शिकायतों में 133 श्रमिकों को नो लाख से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है। इसी प्रकार श्रमिकों को दी जाने वाली उपदान ग्रेच्यूटी भुगतान में 100 आवेदनों में से 58 आवेदकों को 2 करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान आदेश पारित किया गया है। श्रमायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के हित में कई नवाचार एवं कार्यक्रम संचालित कर उनको लाभान्वित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दुकानों एवं स्थापनाओं के 8220 प्राप्त आवेदनों का नियम और समयावधि में 6163 पंजीयन जारी किये गये हैं। साथ ही बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन हेतु सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाकर आम जनता और व्यवसायियों से बच्चों से कार्य न कराये जाने और इस अभियान में सहभगिता करने की अपील की गई है।

कचरे को कमाई में बदलने की तैयारी

मुरैना। घरों से निकलने वाला कचरा अब आय का जरिया भी बनेगा। नगर के सौंदर्यीकरण अभियान के तहत पाटन रोड स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड को वेस्ट मैनेजमेंट एरिया के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत शहर भर से संग्रहित होने वाले कचरे को गीला और सूखा में अलग अलग कर उसका व्यवस्थित मैनेजमेंट किया जाएगा। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर वर्मी पिट तैयार किए जा रहे हैं। इन पिट में कचरे का वर्मी कंपोस्ट में परिवर्तन करने का कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ग्राउंड पर शेड बना कर वेस्ट मैनेजमेंट करने वाले कारोबारियों को स्थान दिया जाएगा। जो कि कचरे का विभाजन कर उपयोगिता अनुसार उसका प्रबंधन करेंगे। ग्राउंड पर पर्यावरण सुधार की दृष्टि से वृक्षारोपण कार्य भी किया जा रहा है ताकि प्रदूषण को संतुलित किया जा सके। ग्राउंड पर आने वाले लोहे के सामान को पुनः उपयोग में बनाने रिप्रोसेसिंग की रणनीति भी बनाई गई है।

VISION 2030
अब अपनी पढाई को दो रफ्तार।
SSC/ बैंक/ रेलवे/MPPSC/UPSC/ POLICE/SI
के साथ ही सभी तरह की COMPETITION CLASSES.
HOME TUITION
Class:- 6th-12th हिन्दी मीडियम/इंग्लिश मीडियम/CBSE
MP/UP/GUJRAT/CG
BHIND/GWALIOR/DATIA
Vision 2030
THE FUTURE IS OURS TO SEE
call/ वॉट्सएप्प for more information
फ्री में आप हमार APP "VISION 2030 डाउनलोड कर सकते है।
अगर आप कोचिंग/स्कूल चलाते है तो अपनी छात्र संख्या बडाने के लिये सम्पर्क कर सकते है।
VISION 2030 की फ्रेंचाइजी लेने के लिये सम्पर्क करे और हर माह 50 से 60000/- कमाना शुरु करे।
ऑफिस - A, Block 404, भाऊ साहब की पोतनिस इंक्लेब, मुरार रोड़, गोले का मंदिर ग्वालियर
संपर्क सूत्रः- 8305193927

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478